शिक्षार्थ आइये ! सेवार्थ जाइये !!

कृष्णा महा विद्यालय

मोहम्मदी - खीरी

प्रेषक

प्रबन्धक / प्राचार्य

कृष्णा महाविद्यालय
मोहम्मदी-खीरी

मो0 9450105845

पत्रांक 50/2026 दिनांक 28-03-202

OFFICE OF THE REGISTRAR
28 MAR 2026
No. 2902
LUCKNOW UNIVERSITY

सेवा में,

कुल सचिव
लखनऊ विश्वविद्यालय लखनऊ

विषय :– शिक्षक भर्ती हेतु विज्ञापन अपलोड कराने वास्ते।

महोदय,

निवेदन है कि संस्था 3033 कृष्णा महाविद्यालय मोहम्मदी– खीरी में इस सत्र से एम0ए0 (शिक्षाशास्त्र) व एम0एस0सी0 (जन्तु विज्ञान) की सम्बद्धता वांछित है जिसका विज्ञापन **खबरों का दंगल** व **तेजस भारत**, हिन्दी दैनिक समाचार पत्र, लखनऊ से 12,13,14 मार्च 2026 को प्रकाशित करा दिया गया है।

अतः आप विश्वविद्यालय की साइड पर अपलोड कराने की कृपा करें। महान कृपा होगी।

खबरों का दंगल अखबार	तेजस भारत अखबार
कृष्णा महाविद्यालय बरवर रोड, गुरेला चौराहा मोहम्मदी खीरी सम्बद्ध-लखनऊ विश्वविद्यालय लखनऊ कॉलेज कोड-3033	कृष्णा महाविद्यालय बरवर रोड, गुरेला चौराहा मोहम्मदी खीरी सम्बद्ध लखनऊ विश्वविद्यालय लखनऊ कॉलेज कोड 3033
आवश्यकता है महाविद्यालय में परास्नातक स्तर पर विज्ञान वर्ग में जन्तु विज्ञान के 4 पद तथा कला वर्ग में शिक्षाशास्त्र के 2 पद पर सहायक आचार्य/ आचार्याओं की आवश्यकता है। इच्छुक अभ्यार्थी अपना आवेदन पत्र अपने मूल प्रमाणपत्रों की छाया प्रति के साथ डाक द्वारा या स्वयं महाविद्यालय में 20 दिनों के अन्दर जमा कर सकते हैं। शैक्षिक योग्यता यू.जी.सी. के अनुसार या लखनऊ विश्व विद्यालय के अनुसार वांछनीय हैं।	**आवश्यकता है** महाविद्यालय में परास्नातक स्तर पर विज्ञान वर्ग में जन्तु विज्ञान के 4 पद तथा कला वर्ग में शिक्षाशास्त्र के 2 पद पर सहायक आचार्य/ आचार्याओं की आवश्यकता है। इच्छुक अभ्यार्थी अपना आवेदन पत्र अपने मूल प्रमाणपत्रों की छाया प्रति के साथ डाक द्वारा या स्वयं महाविद्यालय में 20 दिनों के अन्दर जमा कर सकते हैं। शैक्षिक योग्यता यू.जी.सी. के अनुसार या लखनऊ विश्व विद्यालय के अनुसार वांछनीय हैं।
प्रबन्धक पता- कृष्णा महाविद्यालय बरवर रोड, गुरेला चौराहा मोहम्मदी - लखीमपुर-खीरी मो0-9450105845, 9450983871	प्रबन्धक पता- कृष्णा महाविद्यालय बरवर रोड, गुरेला चौराहा मोहम्मदी - लखीमपुर-खीरी मो0-9450105845, 9450983871

इंचार्ज (वेबसाइट)

28/3/2026

प्रबन्धक/ सचिव
कृष्णा महाविद्यालय
मोहम्मदी–खीरी

स्थित रहे।
10 मार्च 1969
अंतर्गत की गई थी।
के औद्योगिक
कता तेजी से

तीन बटालियन
स समय इसकी
उद्देश्य स्पष्ट था
तिक संपत्तियों

द्योगिक क्षेत्र में
साथ ही
ी बढ़ती चली
ख कर्मियों की
त्वपूर्ण सुरक्षा
ह बल देश के
कड़ों महत्वपूर्ण
सकी कार्यक्षमता
ट्रीय सुरक्षा तंत्र
है।
त्वपूर्ण भूमिका

यह बल देश के परमाणु ऊर्जा संयंत्रों और अंतरिक्ष अनुसंधान केंद्रों की सुरक्षा भी करता है। ऐसे संस्थान राष्ट्रीय सुरक्षा और वैज्ञानिक प्रगति के दृष्टिकोण से अत्यंत महत्वपूर्ण होते हैं। सीआईएसएफ आधुनिक निगरानी प्रणाली तकनीकी उपकरणों और विशेष प्रशिक्षण के माध्यम से इन संस्थानों की सुरक्षा सुनिश्चित करता है।

हवाई अड्डों की सुरक्षा में भी सीआईएसएफ की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। विमानन क्षेत्र में सुरक्षा सबसे संवेदनशील विषयों मंष से एक है क्योंकि यह सीधे लाखों यात्रियों की सुरक्षा से जुड़ा होता है। सीआईएसएफ के जवान यात्रियों की जांच सामान की स्कैनिंग और परिसर

दिन उन हजारों जवानों के साहस अनुशासन और कर्तव्यनिष्ठा को सम्मान देने का अवसर है जो देश के महत्वपूर्ण संस्थानों की सुरक्षा में निरंतर कार्य कर रहे हैं। वर्ष 2025 में 56वाँ स्थापना दिवस तमिलनाडु के थक्कोलम में आयोजित किया गया जिसमें केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह तथा केंद्रीय मंत्री एल मुरुगन सहित कई वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। सीआईएसएफ की स्थापना 10 मार्च 1969 को संसद द्वारा पारित कानून के अंतर्गत की गई थी। उस समय देश में सार्वजनिक क्षेत्र के औद्योगिक प्रतिष्ठानों की सुरक्षा की आवश्यकता तेजी से महसूस की जा रही थी। प्रारंभ में इस बल में केवल तीन बटालियन और लगभग 2800 कर्मी थे। उस समय इसकी भूमिका सीमित थी

सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखते हैं और किसी भी संदिग्ध गतिविधि पर तुरंत कार्रवाई करते हैं।

सीआईएसएफ केवल औद्योगिक और परिवहन प्रतिष्ठानों की सुरक्षा तक सीमित नहीं है बल्कि यह देश की सांस्कृतिक धरोहरों और महत्वपूर्ण सरकारी भवनों की सुरक्षा भी करता है।

लगातार बढ़ा रहा है। सुरक्षा के क्षेत्र में नई तकनीकों को अपनाने के कारण यह बल आधुनिक चुनौतियों का प्रभावी ढंग से सामना करने में सक्षम बन रहा है।

सरकार ने सीआईएसएफ को हाइब्रिड मॉडल के माध्यम से और अधिक मजबूत बनाने का प्रयास किया है। इस मॉडल के अंतर्गत अब निजी औद्योगिक संस्थानों को भी सुरक्षा प्रदान करने की दिशा में कार्य किया जा रहा है। इससे देश के औद्योगिक ढांचे की सुरक्षा और अधिक व्यापक और मजबूत हो सकेगी।

सीआईएसएफ के जवानों का प्रशिक्षण भी अत्यंत कठोर और व्यवस्थित होता है। भर्ती प्रक्रिया में शारीरिक दक्षता को विशेष महत्व दिया जाता है ताकि जवान हर परिस्थिति में सक्षम और सक्रिय रह सकें। नियमित प्रशिक्षण और अभ्यास के माध्यम से उन्हें आधुनिक सुरक्षा तकनीकों और आपातकालीन परिस्थितियों से निपटने के लिए तैयार किया जाता है।

देश की आंतरिक सुरक्षा में भी सीआईएसएफ का योगदान महत्वपूर्ण रहा है। नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में सुरक्षा बलों के साथ समन्वय कर इसने कई अभियानों में सहयोग दिया है। राष्ट्रीय सुरक्षा को मजबूत बनाने में इस बल की सक्रिय भूमिका ने इसे एक विश्वसनीय सुरक्षा संस्था के रूप में स्थापित किया है।

के

र की इच्छा

को विश्व शांतिदूत इसलिये समझते थे कि उनका दवा था कि उन्होंने विश्व में 8 युद्ध समाप्त किए। इन दावों के समर्थन वे इस्राईल और हमास के बीच गजा युद्ध में सीज फायर डील, रूस-यूक्रेन युद्ध को समाप्त करने की कोशिशें, इस्राईल - ईरान, भारत-पाकिस्तान, थाईलैंड-कंबोडिया, और अजरबैजान-अल्बानिया के बीच संघर्ष रुकवाने जैसे दावे करते रहे हैं। हालांकि इनमें से कई दावे हास्यास्पद भी हैं।

क्योंकि इनमें से कई जगह या तो युद्ध अभी भी जारी हैं या फिर इनमें अमेरिका (ट्रंप) की कोई निर्णायक भूमिका नहीं थी। या फिर कुछ देश ट्रंप हस्तक्षेप या मध्यस्थता मानने को तैयार नहीं।

दूसरी तरफ आंकड़े यह बताते है कि इसी स्वयंभू शांतिदूत के कार्यकाल में 2017 में अमेरिकी सैन्य कार्रवाइयों से इराक, सीरिया, अफगानिस्तान और यमन में 499 नागरिकों की मौत हुई। इन्हीं के कार्यकाल में अफगानिस्तान में युद्ध ने 2,463 अमेरिकी सैनिकों और नागरिकों की जान ली।

ट्रंप के मूड की तलवार

इस दौर में अमेरिका के साथ हुए हर समझौते के टिकाऊपन पर हमेशा राष्ट्रपति ट्रंप के मूड की तलवार लटकी रहती है। फिर अमेरिका के भीतर स्थितियां अस्थिर हैं। ट्रंप के कदमों पर वहां राजनीतिक आम सहमति नहीं है।

अमेरिका ने अब भारत से सौर ऊर्जा से संबंधित पाट-पुर्जों के आयात पर 126 प्रतिशत टैरिफ लगा दिया है। इसे भारत के फूलते-फलते सौर उद्योग पर घातक प्रहार समझा गया है। डॉनल्ड ट्रंप प्रशासन ने ये कदम उस समय उठाया, जब अमेरिका में सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद टैरिफ वॉर के स्वरूप को लेकर अनिश्चय है।

ट्रंप ने जिस कानून के तहत दंडात्मक आयात शुल्क लगाए थे, सुप्रीम कोर्ट ने उसे अवैध ठहरा दिया। उसके बाद ट्रंप ने दूसरे कानून के तहत सभी देशों पर दस फीसदी टैरिफ लगाया। बाद में कहा गया कि वे इसे 15 फीसदी तक ले जाएंगे।

अब बताया गया है कि आम टैरिफ 10 फीसदी रहेगा और ट्रंप बाकी पांच फीसदी का इस्तेमाल विभिन्न देशों के रुख के हिसाब से करेंगे।

इस बीच अलग-अलग उत्पादों (मसलन स्टील) पर लगाए गए शुल्क जारी रहेंगे और नए शुल्क भी ट्रंप लगाते रहेंगे, जैसाकि अब उन्होंने सौर ऊर्जा से संबंधित पाट-पुर्जों पर लगाया है। ऐसे में भारत सहित हर देश के सामने यह प्रश्न है कि ट्रंप प्रशासन से द्विपक्षीय व्यापार समझौता करने का क्या औचित्य है? किसी समझौते के तहत हुई लेनदेन से देश के अधिकांश उद्योगों और अर्थव्यवस्था के ज्यादातर क्षेत्रों को लाभ ना हो रहा हो, तो वैसा समझौता करने की ललक क्यों दिखाई जानी चाहिए? मुद्दा यह भी है कि इस दौर में अमेरिका के साथ हुए समझौते के टिकाऊपन पर हमेशा ट्रंप के मूड की तलवार लटकी रहती है। फिर अमेरिका के भीतर स्थितियां अस्थिर हैं। ट्रंप जो कर रहे हैं, उस पर वहां राजनीतिक आम सहमति नहीं है। सुप्रीम कोर्ट के हालिया निर्णय जाहिर हुआ है कि शासन की सभी संस्थाओं के बीच उन कदमों की वैधानिकता पर आम समझ का अभाव है। इसलिए भारत सरकार को ताजा स्थितियों पर गंभीरता से विचार करना चाहिए।

कृष्णा महाविद्यालय
बरवर रोड, गुरेला चौराहा
मोहम्मदी खीरी
सम्बद्ध लखनऊ
विश्वविद्यालय लखनऊ
कॉलेज कोड 3033

आवश्यकता है

महाविद्यालय में परास्नातक स्तर पर विज्ञान वर्ग में जन्तु विज्ञान के 4 पद तथा कला वर्ग में शिक्षाशास्त्र के 2 पद पर सहायक आचार्य/ आचार्याओं की आवश्यकता है। इच्छुक अभ्यार्थी अपना आवेदन पत्र अपने मूल प्रमाणपत्रों की छाया प्रति के साथ डाक द्वारा या स्वयं महाविद्यालय में 20 दिनों के अन्दर जमा कर सकते हैं। शैक्षिक योग्यता यू.जी.सी. के अनुसार या लखनऊ विश्व विद्यालय के अनुसार वांछनीय हैं।

प्रबन्धक
पता- कृष्णा महाविद्यालय
बरवर रोड, गुरेला चौराहा
मोहम्मदी - लखीमपुर-खीरी
मो0-9450105845,
9450983871

प्रबन्धक/ सचिव
कृष्णा महाविद्यालय
मोहम्मदी–खीरी

"तेजस भारत दैनिक समाचार"
12 मार्च, 13 मार्च, 14 मार्च 26